ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए है बेहतरीन स्कूल प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल

Advertorial

ग्रेटर नोएडा वेस्ट : एक व्यक्ति और समाज के लिए बड़े स्तर पर अच्छी शिक्षा आवश्यक है। यह एक बच्चे के दृष्टिकोण को ढालता है, एक अलग व्यक्तित्व को फ्रेम करता है, जीवन के परिप्रेक्ष्य को बदलता है, बच्चे को दुनिया का सामना करने के लिए तैयार करता है, जीवन के आवश्यक गुणों और कई अन्य चीजों को विकसित करता है।

इसलिए, बच्चों के लिए एक अच्छे स्कूल का चयन बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि चयनित स्कूल आपके बच्चे को सभी स्तर पर समक्ष बना सके। इसलिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट के प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में अपने बच्चों का एडमिशन अवश्य कराए।

ग्रेटर नोएडा न केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उद्योगों के लिए जाना जाता है, बल्कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों के लिए भी जाना जाता है। तो आइये ग्रेटर नोएडा वेस्ट के प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल जहां अभिभावकों का सपना बच्चों के लिए होगा पूरा।

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल ग्रेटर नोएडा वेस्ट के टॉप स्कूल में से एक है। स्कूल छात्रों के समग्र विकास पर खास ध्यान केंद्रित करता है।

यह स्कूल ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक है और शिक्षा का उच्चतम स्तर प्रदान करता है। यहाँ बच्चों के लिए उच्च प्रशिक्षित संकाय, हरे-भरे परिसर, अच्छी बुनियादी सुविधाएं, ई-शिक्षा सुविधाएं, खेल सुविधाएं और अन्य पाठ्येतर सुविधाएं उपलब्ध है।

मयंक यादव
निदेशक
प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट

भविष्य की ओर एक कदम

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूना है। हमारा लक्ष्य है कि हमारे छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि नैतिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से भी उत्कृष्ट बनें। हम शिक्षा के माध्यम से ऐसे नागरिक तैयार करना चाहते हैं जो अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दें।

इस यात्रा में हम सभी अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों का सहयोग चाहते हैं ताकि हम मिलकर एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

सुदीति ग्लोबल एकेडमी के छात्रों की सफलता: सुदीति ग्लोबल एकेडमी के छात्रों की उपलब्धियां हमारे लिए गर्व का विषय हैं। हर साल, हमारे कई छात्र IIT, NEET, IIM, और C.A जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करते हैं। यह सफलता केवल छात्रों की मेहनत का ही परिणाम नहीं है, बल्कि हमारे शिक्षकों की समर्पित शिक्षा और हमारे स्कूल की उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति का भी प्रमाण है।

Advertorial

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल शिक्षा में एक नई क्रांति का सूत्रपात

ग्रेटर नोएडा : शिक्षा समाज का वह स्तंभ है जो न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाता है बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा भी तय करता है। इसी विचारधारा को आधार बनाकर, प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, 2024 में अपने पहले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत कर रहा है। यह नया संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में उच्च मानदंड स्थापित करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके पीछे का अनुभव और सफलता की कहानी नई नहीं है। प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल का प्रबंधन, सुदीति ग्लोबल एकेडमी के रूप में पहले से ही शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सुदीति ग्लोबल एकेडमी: शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम

सुदीति ग्लोबल एकेडमी की स्थापना 2009 में हुई थी और तब से यह उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों—इटावा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, औरैया—में पांच अग्रणी स्कूलों का संचालन कर रही है। इन सभी विद्यालयों ने अपने-अपने जिलों में शिक्षा के क्षेत्र में उच्च मानदंड स्थापित किए हैं और छात्रों को सर्वांगीण विकास के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया है।

सुदीति ग्लोबल एकेडमी के छात्रों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि शिक्षा केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों को उनके जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करती है। हर साल, सुदीति ग्लोबल एकेडमी के कई छात्र IIT, NEET, IIM, और C.A. जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफल होते हैं। यह सफलता हमारे शिक्षण पद्धति की गुणवत्ता और हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल: एक नया अध्याय

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सुदीति ग्लोबल एकेडमी की सफलता और अनुभव को लेकर, एक नए क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उच्च मानदंड स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करें, बल्कि नैतिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से भी सशक्त बन सकें।

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल का दृष्टिकोण:

1. मूल्य आधारित शिक्षा: हमारे स्कूल में शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में नैतिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन, और सेवा भावना का विकास करना है। हम उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेंगे, जो समाज के कल्याण में योगदान दे सकें।

2. समग्र विकास: छात्रों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनने के लिए तैयार किया जाएगा।

3. अकादमिक उत्कृष्टता: प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल का उद्देश्य छात्रों को उच्चतम शैक्षणिक मानदंडों के अनुसार तैयार करना है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन कर सकें।

4. तकनीकी दक्षता: आधुनिक तकनीकी युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

5. पर्यावरणीय जागरूकता: पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के सिद्धांतों को छात्रों में विकसित किया जाएगा। उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने और स्थायी विकास की दिशा में प्रेरित किया जाएगा।

मायंक यादव
निदेशक

6. वैश्विक दृष्टिकोण: शिक्षा को एक वैश्विक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे हमारे छात्र विभिन्न संस्कृतियों और विचारों के प्रति संवेदनशील बनें और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकें।

सुदीति ग्लोबल एकेडमी के छात्रों की सफलता

सुदीति ग्लोबल एकेडमी के छात्रों की उपलब्धियां हमारे लिए गर्व का विषय हैं। हर साल, हमारे कई छात्र IIT, NEET, IIM, और C.A. जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करते हैं। यह सफलता केवल छात्रों की मेहनत का ही परिणाम नहीं है, बल्कि हमारे शिक्षकों की समर्पित शिक्षा और हमारे स्कूल की उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति का भी प्रमाण है।

भविष्य की ओर एक कदम

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूना है। हमारा लक्ष्य है कि हमारे छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि नैतिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से भी उत्कृष्ट बनें। हम शिक्षा के माध्यम से ऐसे नागरिक तैयार करना चाहते हैं जो अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दें।

इस यात्रा में हम सभी अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों का सहयोग चाहते हैं ताकि हम मिलकर एक उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

amarujala.com/noida नई दिल्ली | बुधवार • 25.12.2024

अमर उजाला 7

डॉ. मृणालिनी को मिला सम्मान

ग्रेटर नोएडा। प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. मृणालिनी को एडुलेडर शिखर सम्मेलन में प्रिंसिपल ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया है। सम्मेलन शनिवार को हुआ था। यह पुरस्कार उनकी नवीन शैक्षिक प्रणालियों और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए दिया गया। डॉ. मृणालिनी ने कहा कि यह पुरस्कार शिक्षकों और छात्रों के श्रम का परिणाम है। ब्यूरो

जागरण गौरव रत्न से सम्मानित हुईं विभूतियां

सरोवर पोर्टिको में हुआ आयोजन, विधायक तेजपाल नागर और डीसीपी शक्तिमोहन अवस्थी रहे अतिथि

जागरण संवाददाता, नोएडा : गौर सिटी स्थित सरोवर पोर्टिको में शुक्रवार को [illegible]क जागरण के जागरण गौरव रत्न [illegible]ारोह का आयोजन हुआ। शिक्षा, चिकित्सा, समाजसेवा, जनसंख्या नियोजन, रियल एस्टेट आदि क्षेत्रों में महती भूमिका निभाने वाले गौतमबुद्ध नगर और एनसीआर के 31 लोगों को जागरण गौरव रत्न से नवाजा गया।

जागरण गौरव रत्न पाने वाले लोग : जेनेक्स्ट के पार्टनर आलोक गोयल, प्रापर्टी मार्ट के प्रोपराइटर सुरेंद्र कुमार खरिया, रहेजा डेवलपर्स के प्रदीप मिश्रा, जीएनआइओटी के निदेशक डा. सोम, सागर मोटर्स के एमडी वरुण सागर, एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के नोएडा प्रेसीडेंट सुरेंद्र [illegible]टा, टायरस शापी इंडिया प्रा. लि. निदेशक मोहित जैन एवं रोहित जैन, डा. एसके जैन बरलिंगटन क्लीनिक प्रा. लि. के एमडी डा. श्रेयांस जैन, रिट्ज मीडिया वर्ल्ड के अनुग्रह, प्रोप वर्ल्ड जोन के फाउंडर रविंद्र नागर, वर्ल्ड फेमस गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर मैजिशियन डा. अशोक खरबंदा और राहुल खरबंदा, स्वास्थ्य मल्टीस्पेशयलिटी क्लीनिक एंड डे केयर के निदेशक डा. प्रखर गर्ग, एसकेडी प्रोप वर्ल्ड प्रा. लि. के फाउंडर सीईओ पवन कुमार मिश्रा, नोएडा एजुकेशनल एकेडमी के प्रमोटर नवीन त्यागी, सिटी पब्लिक स्कूल नोएडा के चेयरमैन डा. मूलचंद चौधरी, प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल के निदेशक मयंक यादव, एलपीएस ग्लोबल स्कूल के चेयरमैन मनीष यादव, संस्कार पब्लिक स्कूल के चेयरमैन जोगेंदर सिंह नागर, तिवारी प्रोप मार्ट के फाउंडर मनीष तिवारी, न्यूमेड हास्पिटल के सीईओ जितेंद्र सिंह, पाल सिलाई मशीन के एमडी हिमांशु पाल, एचआइएमटी ग्रुप आफ इस्टयूसन्स के चेयरमैन हेम सिंह बंसल और एक्सक्यूटिव डायरेक्टर विक्रांत, फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डा. डीके गुप्ता, श्रीमंगलम ला कालेज के उपाध्यक्ष हर्षराज द्विवेदी, गगन ग्रुप आफ स्कूल्स एंड कालेज के निदेशक गगन शर्मा, सनराइज रियल मार्ट प्रा. लि. के निदेशक आशीष गोयल, डा. अजय जायसवाल, मोसेटा (आक्सीन्यूरान इंडिया प्रा. लि.) के निदेशक, सीएमओ अंकुश गोगलानी, डा. शरद गुप्ता को जागरण गौरव रत्न से सम्मानित किया गया।

प्रायोजककर्ता बनारसी जीरा रहा। लोगों ने स्टाल पर बनारसी जीरा का मुफ्त में लुफ्त भी उठाया। वहीं, फेलिक्स अस्पताल के अध्यक्ष डा. डीके गुप्ता ने एंकर के सवाल पर सर्दियों में ख्याल रखने के उपाय बताए।

Jagran गौरव रत्न 2024

Powered by Banarasi Jeera

ग्रेनो वेस्ट स्थित सरोवर पोर्टिको होटल में दैनिक जागरण की ओर से आयोजित गौरव रत्न सम्मान कार्यक्रम में मौजूद लोग • जागरण

प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल के निदेशक मयंक यादव को सम्मानित करते विधायक तेजपाल नागर • जागरण

एलपीएस ग्लोबल स्कूल के चेयरमैन मनीष यादव को सम्मा[illegible] करते विधायक तेजपाल नागर • जागरण

amarujala.com/noida
my city
नई दिल्ली | रविवार • 08.12.2024
अमर उजाला
7

दौड़ प्रतियोगिता समेत विभिन्न खेलों में विद्यार्थियों ने दिखाया दम

कार्यक्रम में अतिथि समेत अन्य। स्रोत स्कूल

ग्रेटर नोएडा । ग्रेनो स्थित प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में खेल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में शारीरिक फिटनेस और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना रहा। इस दौरान रिले, बोरी दौड़ और बाधा रेस से लेकर कई खेलों का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मयंक यादव ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक कल्याण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानाचार्या डॉ. मृणालिनी सिंह ने कहा कि बचपन की शिक्षा में खेलों का विशेष महत्व है। ब्यूरो

उत्कृष्टता की खोज सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण

जैसे-जैसे किशोर विकास की जटिलताओं को पार करते हैं, उनके भविष्य को आकार देने के लिए व्यक्तिगत और शैक्षणिक लक्ष्यों को परिभाषित करना आवश्यक हो जाता है। उत्कृष्टता की खोज का तात्पर्य केवल उच्च ग्रेड या प्रशंसा प्राप्त करना नहीं है। यह एक ऐसी मानसिकता को बढ़ावा देने के बारे में है जो निरंतर सुधार, लचीलापन और आत्म-खोज को अपनाती है।

व्यक्तिगत लक्ष्य अत्यंत व्यक्तिगत होते हैं और अक्सर किसी के मूल्यों, जुनून और आकांक्षाओं को दर्शाते है। किशोरों के लिए ये लक्ष्य रिश्तों को बेहतर बनाने, नए कौशल विकसित करने या ऐसे शौक पूरे करने से लेकर हो सकते हैं जो उनके उत्साह को बढ़ाते हैं।

व्यक्तिगत लक्ष्यों को परिभाषित करने के लिए, किशोरों को निम्नलिखित चरणों पर विचार करना चाहिए। आत्मचिंतन में संलग्न होकर, कारंवाई योग्य लक्ष्य निर्धारित करके और विकास की मानसिकता को अपनाकर, युवा व्यक्ति चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अपनी क्षमता को उजागर कर सकते है। उत्कृष्टता की खोज सफलता से कही अधिक महत्वपूर्ण है। यह स्वयं का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने, दुनिया मे सकारात्मक योगदान देने और दूसरो को प्रेरित करने के बारे मे है।

– डा. मृणालिनी सिंह, प्रधानाचार्य
प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल, ग्रेटर नोएडा

प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में टैलेंट शो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल ने 2 से 13 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए टैलेंट शो का आयोजन कराया। कार्यक्रम में ऐस सिटी, पैरामाउंट इमोशंस और ट्राइडेंट एम्बेसी के बच्चों ने भाग लिया। आर्या, रिषभ, रविश, सरांया मित्तल, नाव्या, दिव्या, कर्तिक के साथ कई बच्चों ने जीत दर्ज की। प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. मृणालिनी सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। ब्यूरो

स्कूल में कार्निवल का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में छात्रों के बीच रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए कलरिंग कार्निवल का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 180 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने कल्पनाओं को जीवंत रंगों में रंगा। काशवी, कृष्णा, श्री और अवनी विजेता बनीं। प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. मृणालिनी सिंह ने कला और शिल्प किट से छात्रों को सम्मानित किया। ब्यूरो

प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल को शिक्षा में प्रौद्योगिकी के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार

नोएडा (वि)। प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल को शिक्षाशास्त्र में प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार एक्सीलेंस इन एडॉप्शन इन पेडागॉजी 2024 से सम्मानित किया गया। बृहस्पतिवार को एल्ड्रोक इंडिया द्वारा आयोजित के-12 लीडर्स अवॉर्डर्स समारोह में स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. मृणालिनी सिंह ने अवॉर्ड प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुरस्कार छात्रों को तकनीकी कौशल से लैस करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि स्कूल के प्रबंध निदेशक मयंक यादव के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है।

amarujala.com/noida नई दिल्ली | मंगलवार • 19.11.2024

अमर उजाला

दिल्ली के स्कूलों में आवेदन से पहले दूरी का रखें ध्यान

नर्सरी से कक्षा एक तक के बच्चे के दाखिले का एक और मौका, 28 से शुरू होगी प्रक्रिया

माई सिटी रिपोर्टर

नोएडा। ऐसे अभिभावक जिनके बच्चों को मनपसंद स्कूल में दाखिला नहीं मिल पाया है, उनके लिए दाखिले का एक और मौका है। दिल्ली के स्कूलों में अगले सत्र के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। हालांकि उनको दाखिले से पहले स्कूल की दूरी का ध्यान रखना होगा। उन अभिभावकों को इसका ज्यादा लाभ मिल सकता है, जो दिल्ली से सटे हुए सेक्टरों में रहते हैं। उसके आधार पर भी छात्र को पॉइंट्स मिलेंगे।

शहर के अधिकतर स्कूलों में सितंबर महीने से दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। कई स्कूलों में अभिभावकों के इंटरव्यू के बाद लिस्ट जारी की जा चुकी है। कुछ स्कूलों में प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में जिन अभिभावकों के बच्चे का लिस्ट में अभी तक नाम नहीं आ पाया है, उनके लिए दाखिले का एक और मौका है। दिल्ली के करीब 1700 निजी स्कूलों में

सांकेतिक

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत नर्सरी क्लास, केजी, पहली कक्षा में दाखिल रेस शुरू होने जा रही है। सभी स्कूलों में सामान्य श्रेणी के लिए दाखिले की दौड़ 28 नवंबर से शुरू हो जाएगी। अभिभावक आवेदन फॉर्म 20 दिसंबर तक जमा करा सकेंगे।

स्कूल ने 0-1 किलोमीटर वालों के लिए पड़ोस के 70, 1-3 किलोमीटर दूरी वालों के लिए 60 और तीन से छह किलोमीटर तक वालों के लिए 50 अंक तय किए जाएंगे। इसलिए घर से स्कूल की दूरी तय करने के बाद आवेदन करें। इसके अलावा सिबलिंग, एल्युमिनी के भी अलग से पॉइंट्स मिलेंगे।

प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. मृणालिनी सिंह ने बताया, स्कूल का चयन करने से पहले स्कूल की दूरी का जरूर ध्यान रखें। इसके आधार पर पॉइंट मिलते हैं। सिबलिंग के लिए भी पॉइंट्स तय होते हैं। अभिभावकों को बच्चे के समग्र विकास को ध्यान में रखकर स्कूल का चुनाव करना चाहिए। क्योंकि बच्चे का हर लिहाज से विकास जरूरी है।

मानव रचना स्कूल की प्रिंसिपल निंदिया साकेत ने बताया, दाखिले से पहले अभिभावकों को स्कूल में बच्चे की सुरक्षा को लेकर जानना चाहिए। चाहे तो स्कूल के बारे में अभिभावकों के रिव्यू पढ़ सकते हैं। इससे स्कूल के बारे में बहुत सी जानकारी मिल जाती है। साथ ही, घर से स्कूल की दूरी भी ध्यान में रखें। बच्चे का ट्रेवल टाइम बहुत ज्यादा नहीं होना चाहिए। स्कूल में शिक्षकों के ट्रेनिंग प्रोग्राम होते हैं या नहीं, इसके बारे में भी पता करना चाहिए।